

Padma Shri



SMT. HANJABAM ONGBI RADHE SHARMI

Smt. Hanjabam Ongbi Radhe Sharmi is a well known artist in the field of 'Totloi' making from the state of Manipur. She is lovingly known to many as 'Abok Radhe' where Abok stands for 'grandma' in the Meitei language. Since the past 50 years, she has been working as a Totloi Setpi (wedding dresser).

2. Born on 2nd March, 1941 in a small village called Samaram, Manipur, Smt. Hanjabam started as 'Totloi' dresser when she was 25 years old. 'Totloi' is a traditional bridal dress worn by the Manipuri brides on their wedding ceremony. Shaped in a stiff cylindrical skirt, this Totloi, usually comes in red, pink and green colours, adorned with traditional motifs, it is worn with a traditional shawl known as 'innaphi' and a blouse made of rich fabrics.

3. Smt. Hanjabam's involvement with the 'Totloi' dressing over a long time had made her confident to make 'Totloi' with her own exquisite designs and motifs. She has dressed over 1,000+ brides with her own hand-made 'Totlois' till recent days. To refine her handiwork, she was trained under Shri Khurailakpam Iboton Sharma, renowned dance teacher and dress designer. In addition to this, she also makes costumes for Ras Leela dance and the Khamba-Thoibi dance, a folk dance performed in the Lai Haraoba festival of the Meitei community, commonly celebrated in the month of May every year. With the passing years, she has been training the local artisans in art of 'Totloi' making and helping them to become self-employed and self-sustained economically.

4. Smt. Hanjabam has been a recipient of various awards and honours in consideration of her contribution to the society and also in recognition of her strong will to develop the art form of 'Totloi' making and its propagation to the younger generations of our society,



श्रीमती हनजबम ओंबी राधे शर्मा

श्रीमती हनजबम ओंबी राधे शर्मा मणिपुर राज्य में बनने वाली 'तोतलोई' की सुप्रसिद्ध कलाकार हैं। बहुत से लोग उन्हें प्यार से 'अबोक राधे' के रूप में जानते हैं जिसमें अबोक को मैतेई भाषा में 'दादी' कहा जाता है। पिछले 50 वर्ष से वह 'तोतलोई सेत्पी' (वैवाहिक पोशाक निर्माता) के तौर पर काम कर रही हैं।

2. मणिपुर के समाराम नामक एक छोटे से गांव में 2 मार्च, 1941 में जन्मी, श्रीमती हनजबम ने 25 वर्ष की उम्र में तोतलोई ड्रेसर के रूप में कार्य करना शुरू किया था। तोतलोई मणिपुरी दुल्हन द्वारा विवाह समारोह में पहनी जाने वाली एक पारम्परिक पोशाक है। एक तनी हुई बेलनाकार स्कर्ट के आकार की तोतलोई आमतौर पर लाल, गुलाबी और हरे रंग की होती है। यह पारम्परिक नमूनों से अलंकृत होती है। यह 'इन्फी' नाम से जानी जाने वाली शाल के साथ और कीमती वस्त्र से बने ब्लाउज के साथ पहनी जाती है।

3. श्रीमती हनजबम लंबे समय से तोतलोई पोशाक निर्माण के काम से जुड़ी रही हैं इसलिए वह दक्षतापूर्वक अपने अनूठे डिजायनों और नमूनों के साथ तोतलोई तैयार कर देती हैं। वह अब तक एक हजार से अधिक दुल्हनों के लिए अपने हाथों से तोतलोई तैयार कर चुकी हैं। उनकी कारीगरी को निखारने के लिए प्रसिद्ध नृत्य शिक्षक और ड्रेस डिजाइनर श्री खुरइलकपम इबोटोन शर्मा द्वारा उन्हें प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त, वह मैतेई समुदाय के हर वर्ष मई महीने में मनाए जाने वाले लाई हरोबा महोत्सव में होने वाले रास लीला नृत्य और वखंबा-थोइबी नृत्य के लिए भी वेशभूषा बनाती हैं। गुजरते वर्षों के साथ, वह स्थानीय कारीगरों को तोतलोई तैयार करने की कला सिखाती रही हैं और उन्हें स्वरोजगार युक्त बनाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मदद कर रही हैं।

4. समाज में श्रीमती हनजबम के योगदान को ध्यान में रखते हुए और तोतलोई तैयार करने की कला को विकसित करने तथा समाज की युवा पीढ़ियों के बीच इसका प्रचार-प्रसार करने के उनके दृढ़ संकल्प का सम्मान करते हुए, उन्हें अनेक पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं।